

मोकलसर 500-एकड़ वैदिक कृषि-अभयारण्य एवं क्षेत्रीय चारा बैंक

संधारणीय गो-वंश संरक्षण, चारा आत्मनिर्भरता एवं उच्च-मूल्य शुष्क कृषि वानिकी का व्यापक मास्टर प्लान

मोकलसर (सिवाना, बाड़मेर) पधारे सम्मानित नेतृत्व एवं द्रस्टीगण हेतु विशेष रूप से प्रस्तुत

रणनीतिक पृष्ठभूमि: पश्चिमी राजस्थान में लगातार पड़ने वाले अकाल के कारण चारे का भयंकर संकट और गो-वंश का भारी संकट उत्पन्न होता है। मोकलसर (सिवाना, बाड़मेर) में स्थित आपकी 500 एकड़ की विस्तृत कृषि भूमि *जीवदया* (करुणा भाव), चारा आत्मनिर्भरता और अत्याधुनिक वैदिक प्राकृतिक कृषि का एक राष्ट्रीय आदर्श केंद्र बनने का अभूतपूर्व अवसर प्रदान करती है।

1. मूल दृष्टि: जैन जीवदया परंपरा एवं उद्यम आत्मनिर्भरता का समन्वय

दक्षिण भारत के प्रवासी जैन समाज ने सदैव गो-सेवा एवं जीवदया के क्षेत्र में नेतृत्व किया है और पश्चिमी राजस्थान की 50 से 60 गौशालाओं का प्रमुख संबल रहा है। किंतु केवल दान (Donation) पर निर्भर रहने से गंभीर अकाल के वर्षों में गौशालाएं आर्थिक संकट में घिर जाती हैं।

हमारा मॉडल "अस्थायी दान" से आगे बढ़कर **आत्मनिर्भर, उत्पादक परिसंपत्ति प्रबंधन** स्थापित करता है। गोवैदिक एग्रो की तकनीकी, कानूनी व परिचालन क्षमता, आपकी 500 एकड़ भूमि और माननीय मुख्यमंत्री (राजस्थान) स्तर के प्रशासनिक समन्वय से मोकलसर संपूर्ण भारत का पथप्रदर्शक गो-अभयारण्य बन सकता है।

2. 500-एकड़ मास्टर प्लान के चार रणनीतिक स्तंभ (4 Strategic Pillars)

स्तंभ 1: क्षेत्रीय चारा बैंक एवं साइलेज डिपो (150 एकड़)

सोलर ड्रिप सिंचाई से बारहमासी स्थानीय घासों (सेवण, धामण) और नेपियर की सघन खेती। प्रतिवर्ष 1,500 टन से अधिक चारा/साइलेज उत्पादन, जो संकटकाल में 50+ क्षेत्रीय गौशालाओं को सुरक्षा कवच देगा।

स्तंभ 3: उच्च-मूल्य शुष्क कृषि वानिकी (150 एकड़)

टिशू-कल्चर खजूर (मेडजूल/बरही), जैविक अनार, सहजन एवं औषधीय फसलों की खेती। सोलर नलकूपों द्वारा ड्रिप सिंचाई तथा गौशाला के स्लरी व जीवामृत से 100% रसायन-मुक्त पोषण।

स्तंभ 2: स्वदेशी गो-वंश संरक्षण एवं संवर्धन केंद्र (150 एकड़)

विशुद्ध थारपारकर, राठी और कांकरेज नस्ल का संवर्धन केंद्र। वृद्ध व अदृधिया गायों की सम्मानजनक आजीवन सेवा, तथा उन्नत दुधारु गो-वंश से A2 डेयरी व उच्च आनुवंशिकी का विकास।

स्तंभ 4: पंचगव्य प्रसंस्करण, प्रशिक्षण एवं अनुसंधान (50 एकड़)

सोलर कोल्ड स्टोरेज, पंचगव्य उत्पाद निर्माण (A2 वैदिक घी, जैविक कीटनाशक, कम्पोस्ट), तथा क्षेत्रीय किसानों व गौशाला प्रबंधकों हेतु आवासीय वैदिक प्रशिक्षण केंद्र।

3. परिचालन ट्रेक रिकॉर्ड एवं धरातलीय अनुभव

इस संपूर्ण परियोजना का नेतृत्व एवं मेंटरशिप **भक्तिवत्सल दास** (सचिव, संस्थापक मंडल, ISSCOP) द्वारा की जा रही है, जिनके पास राजस्थान के कठोर मरुस्थलीय क्षेत्रों में अकाल राहत का सिद्ध अनुभव है:

- वर्ष 2004 का भीषण अकाल (मोहनगढ़ / जैसलमेर):** पंजीकृत भक्ति वेदांत गौशाला के माध्यम से राजस्थान सरकार से 1,000 मरणासन्न गायों के पालन की आधिकारिक स्वीकृति प्राप्त की। पंजाब से चारे के कई ट्रक और 50 ट्रक गन्ने मंगाकर अगस्त तक **1,300 पूर्णतः स्वस्थ गायों** का संवर्धन कर स्थानीय किसानों में वितरित किया।
- वर्ष 2011 का सूखा राहत कैम्प:** 200 गायों के साथ द्वितीय कैम्प का शत-प्रतिशत सफल संचालन किया।
- गोवैदिक एग्रो प्रा0 लि0 (CIN: U01139RJ2024PTC096470):** कॉर्पोरेट गवर्नेंस, आधुनिक ब्रीडिंग (AACP / AAXP / AABP) एवं संस्थागत निवेश हेतु विधिवत पंजीकृत कृषि कंपनी।

4. सरकारी योजनाओं एवं मुख्यमंत्री कार्यालय का तालमेल

माननीय मुख्यमंत्री (राजस्थान) के साथ आपके आत्मीय संबंधों के आधार पर मोकलसर परियोजना को त्वरित सरकारी लाभ प्राप्त हो सकते हैं:

सरकारी योजना / नीति	मोकलसर 500-एकड़ हब हेतु मिलने वाले प्रमुख लाभ
अकाल राहत शिविर (Cattle Relief Camp)	आधिकारिक राहत शिविर की मान्यता, जिससे राज्य अकाल राहत कोष से प्रति गाय निःशुल्क सूखा चारा एवं 2 किग्रा दैनिक दाना प्राप्त होगा।
चारा डिपो परिवहन अनुदान	पंजाब/हरियाणा व अन्य राज्यों से चारा मंगाने पर 100% परिवहन सब्सिडी का लाभ।
बंजर भूमि विकास एवं सोलर अनुदान	सोलर पंप, माइक्रो-ड्रिप सिंचाई एवं जल संचयन संरचनाओं (डिग्गी/टांका) पर 70% तक केंद्रीय/राज्य अनुदान।
राष्ट्रीय गोकुल मिशन / NLM	स्वदेशी नस्ल सुधार, चारा बीज उत्पादन एवं पशु आहार ब्लॉक प्लान्ट हेतु 50% तक (₹50 लाख तक) पूंजीगत अनुदान।

5. प्रस्तावित सहयोग ढांचा एवं 2-दिवसीय प्रवास हेतु कार्ययोजना

हम एक परस्पर लाभकारी संयुक्त प्रबंधन मॉडल (Joint Stewardship Model) का प्रस्ताव करते हैं:

- भूमि स्वामी / ट्रस्टीगण:** 500 एकड़ भूमि का दीर्घकालिक अधिकार, रणनीतिक मार्गदर्शन एवं सरकारी समन्वय।
- गोवैदिक एग्रो एवं गौशाला:** संपूर्ण दैनिक संचालन, पशु चिकित्सक दल, चारा आपूर्ति श्रृंखला, तकनीकी ब्रीडिंग व प्रशासनिक प्रबंधन।
- वर्तमान 2-दिवसीय प्रवास हेतु तत्काल कदम:**
 - मोकलसर स्थित 500 एकड़ भूमि का संयुक्त स्थलीय निरीक्षण (Reconnaissance)।
 - नलकूप गहराई, जल TDS, मृदा परीक्षण एवं सीमा बाड़बंदी (Fencing) का आकलन।
 - परियोजना प्रारंभ करने हेतु सैद्धांतिक सहमति पत्र (In-principle MoU) निष्पादित करना।

हरे कृष्ण! मोकलसर में आपसे प्रत्यक्ष भेंट हेतु हम अत्यंत उत्सुक हैं।

सम्पर्क: भक्तिवत्सल दास / संजय राजेश / हितेश चौधरी | GoVedic Agro Private Limited